नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

परमाणु खतरे की दहलीज पर दुनिया !

हालांकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को 5 दिन के युद्ध विराम की घोषणा की है, लेकिन ईरान ने इस घोषणा को ठुकरा दिया है. जाहिर है स्थिति अभी भी बेहद चिंताजनक है. दरअसल,मिडिल ईस्ट में ईरान-इजरायल के बीच बढ़ता टकराव अब केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक अस्थिरता का संकेत बनता जा रहा है. विश्व स्वास्थ्य संगठन की ताजा चेतावनी ने इस आशंका को और गंभीर बना दिया है कि यदि हालात काबू में नहीं आए, तो यह संघर्ष परमाणु आपदा का रूप ले सकता है. यह केवल कूटनीतिक बयान नहीं, बल्कि उस खतरनाक वास्तविकता की ओर इशारा है, जहां युद्ध की रेखाएं अब परमाणु परिसरों के बेहद करीब खिंच चुकी हैं.

विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस का यह कहना कि हमले अब परमाणु संवेदनशील ठिकानों के आसपास हो रहे हैं, वैश्विक समुदाय के लिए एक स्पष्ट चेतावनी है. ईरान के नतांज एनरिचमेंट कॉम्प्लेक्स और इजरायल के डिमोना जैसे क्षेत्रों के आसपास सैन्य गतिविधियां इस बात का संकेत हैं कि युद्ध अब पारंपरिक सीमाओं को लांघ रहा है. परमाणु प्रतिष्ठानों के आसपास किसी भी प्रकार की चूक या हमला न केवल संबंधित देशों के लिए, बल्कि पूरी मानवता के लिए विनाशकारी हो सकता है.

हालांकि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने फिलहाल किसी असामान्य रेडिएशन की पुष्टि नहीं की है, लेकिन यह राहत अस्थायी है. परमाणु जोखिमों की प्रकृति ही ऐसी होती है कि एक छोटी सी चूक भी बड़े पैमाने पर तबाही का कारण बन सकती है. इतिहास हमें चेर्नोबिल और फुकुशिमा जैसी त्रासदियों के रूप में यह सिखा चुका है कि परमाणु संकट की कीमत पीढ़ियों तक चुकानी पड़ती है.

इस संघर्ष का सबसे दुखद पहलू इसका मानवीय प्रभाव है. हजारों लोगों की जान जा चुकी है और हजारों घायल हैं. सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि बड़ी संख्या में बच्चे इस हिंसा के शिकार बने हैं. युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़ा जा रहा, बल्कि यह अस्पतालों, स्कूलों और आम नागरिकों के जीवन को तबाह कर रहा है. यह स्थिति अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों की खुली अवहेलना भी दर्शाती है. इसके साथ ही, इस संघर्ष के आर्थिक और वैश्विक प्रभाव भी गहरे होते जा रहे हैं. खाड़ी क्षेत्र में ऊर्जा ढांचे पर हमलों ने तेल और गैस आपूर्ति को प्रभावित किया है, जिससे पूरी दुनिया में महंगाई और आर्थिक दबाव बढ़ रहा है. वैश्विक अर्थव्यवस्था, जो पहले से ही कई चुनौतियों से जूझ रही है, अब एक और संकट के मुहाने पर खड़ी है. डब्ल्यूएचओ द्वारा 13 देशों में आपात तैयारी और स्टाफ को विशेष प्रशिक्षण देना इस बात का संकेत है कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं स्थिति की गंभीरता को समझ रही हैं. लेकिन केवल तैयारी पर्याप्त नहीं है. आवश्यकता इस बात की है कि सभी संबंधित पक्ष संयम और संवाद का रास्ता अपनाएं. युद्ध की दिशा जितनी तेजी से विनाश की ओर बढ़ रही है, उतनी ही तेजी से शांति के प्रयास भी होने चाहिए.

आज दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां एक गलत कदम पूरे वैश्विक संतुलन को बिगाड़ सकता है. यह समय शक्ति प्रदर्शन का नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और विवेक का है. यदि कूटनीति विफल होती है, तो इसका परिणाम केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक त्रासदी के रूप में सामने आएगा. इसलिए, अब भी समय है कि संघर्ष की आग को शांत किया जाए, क्योंकि अंततः शांति ही वह मार्ग है, जो मानवता को विनाश के इस कगार से वापस ला सकता है.

जन्म दिवस के अवसर पर विशेष

मिथक बनाने वाले नहीं, बल्कि तोड़ने वाले मुख्यमंत्री डॉ. यादव

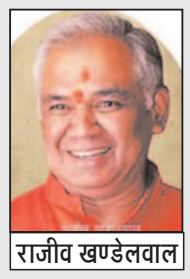
राजीव खण्डेलवाल

मध्यप्रदेश के यशस्वी लोकप्रिय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के जन्म दिवस के अवसर पर उन्हें शुभकामनाएं देना ही पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि उनके कार्यो में उस पक्ष को भी समझना आवश्यक है, जिसने उन्हें मध्यप्रदेश की राजनीति में महत्वपूर्ण सबसे विशिष्ट स्थान दिलाया है. इस अवसर पर उनके नेतृत्व और मध्यप्रदेश की राजनीति में उसके संभावित प्रभावों पर विचार करना प्रासंगिक है.

मध्यप्रदेश की राजनीति पिछले दो दशकों में कई महत्वपूर्ण मोड़ों से गुजरी है. इन वर्षों में राज्य ने स्थिरता, विकास और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा तीनों का अनुभव किया है. ऐसे परिदृश्य में डॉ. मोहन यादव का एक गुबार-ए-कारवां से अमीर-ए-कारवां की नजीर बन कर मुख्यमंत्री के रूप में उदय केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं, बल्कि नेतृत्व की नई पीढ़ी के उभार का भी संकेत माना जा सकता है.

डॉ. मोहन यादव का व्यक्तित्व शिक्षा, संस्कृति और जनसेवा के समन्वय का प्रतीक है. वे केवल एक राजनेता ही नहीं, बल्कि एक शिक्षाविद और विचारशील व्यक्तित्व के रूप में भी जाने जाते हैं. राजनीति में उनका प्रवेश सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और राज्य के विकास का एक साधन रहा है. मोहन की कार्यप्रणाली व कर्मणता व सीधे कार्यकर्ताओं तक पहुंच से एक जुमला बन गया. दरबार तक पहुंच हो तो दरबारी की क्या बिसात. लंबे समय तक शिवराज सिंह चौहान मामा मध्य प्रदेश की राजनीति के केंद्र बिंदु रहे. उनके कार्यकाल में कई जनकल्याणकारी योजनाएँ और विकास परियोजनाएँ प्रारंभ हुई, जिन्होंने राज्य की राजनीति को एक स्थिर व विकास की दिशा दी. ऐसी परिस्थिति में स्थापित नेता शिवराज सिंह की जगह डॉ. मोहन यादव की केन्द्रीय नेतृत्व द्वारा स्थापना एक दूरदर्शी निर्णय था, जो खतरे से खाली नहीं था. परन्तु जैसे कि एक तिनके से हवा का रुख पता चल जाता है, मोहन ने उन ?तरे के बादल की आशंकाओं को शीघ्र ही अभी तक की अपनी कार्यप्रणाली से निर्मूल कर दिया.

लोकतंत्र में नेतृत्व परिवर्तन केवल व्यक्तियों का परिवर्तन नहीं होता, बल्कि वह राजनीति की दिशा, प्राथमिकताओं और कार्यशैली में संभावित बदलाव का संकेत भी होता है. ऐसी स्थिति में जब किसी लंबे समय तक प्रभावशाली नेता के बाद नया नेतृत्व सामने आता है, तो स्वाभाविक रूप से तुलना और अपेक्षाएँ दोनों बढ़ जाती हैं. डॉ. मोहन यादव के सामने भी यही परिस्थिति है. उन्हें अच्छा बोओ अच्छा काटो की नीति पर चलते हुए और एक स्थापित राजनीतिक परंपरा को आगे बढ़ाते हुए अपनी अलग पहचान भी बनानी है. इसमें वे सफल होते दिख भी रहे हैं.

संघे शक्ति: कलौ युगे के सूत्र वाक्य को अपने जीवन में उतारने वाले डॉ. मोहन यादव की राजनीतिक पृष्ठभूमि मूलत: संगठनात्मक राजनीति से जुड़ी रही है. वे जानते हैं कि एक फूल से माला नहीं बनती. भाजपा के संगठनात्मक ढाँचे में कार्य करते हुए उन्होंने छात्र राजनीति से लेकर राज्य स्तर तक अपनी सक्रियता बनाए रखी. संगठनात्मक राजनीति की यह पृष्ठभूमि प्रशासनिक नेतृत्व में भी सहायक हो सकती है, क्योंकि इससे निर्णय लेने की प्रक्रिया में सामूहिकता और संगठनात्मक संतुलन बनाए रखने की क्षमता विकसित होती है.

डॉ. मोहन यादव का जुड़ाव महाकाल की नगरी उज्जयनी से रहा है, जो भारतीय सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं का एक महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है. यह सांस्कृतिक पृष्ठभूमि उनके राजनीतिक विचारों और प्राथमिकताओं में चोली दामन के साथ की तरह दिखाई देती है.

(लेखक, कर सलाहकार एवं पूर्व अध्यक्ष, बैतूल सुधार न्यास)

> मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दिसंबर 2023 में इस लंबे समय से चली आ रही मान्यता या भ्रम (मिथक) को तो ?ा था. उज्जैन, जो महाकाल की नगरी है, को लेकर सदियों पुरानी (कुछ रिपोर्टों में 211 साल पुरानी बताई जाती है) यह धारणा प्रचलित थी कि कोई भी राजा, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री या समकक्ष उच्च पदाधिकारी यहां रात्रि विश्राम (रात गुजारना) नहीं करता. ऐसा माना जाता था कि उज्जैन का असली राजा बाबा महाकाल (महाकालेश्वर) ही हैं, इसलिए कोई अन्य ''राजा यहां रात नहीं रुक सकता-वरना अशुभ या कुर्सी/सत्ता पर खतरा हो सकता है. मुख्यमंत्री मोहन यादव, जो खुद उज्जैन दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं, उज्जैन के निवासी हैं, ने मुख्यमंत्री बनने के बाद (13 दिसंबर 2023 को शपथ के कुछ दिन बाद) 16-17 दिसंबर 2023 की रात अपने उज्जैन स्थित घर में रात्रि विश्राम किया. इससे उन्होंने इस मिथक को स्पष्ट रूप से तोड़ा, और साबित किया कि अंधविश्वास कमजोर व्यक्ति का धर्म है. उनका कहना है राजा तो महाकाल हैं, हम तो उनके बेटे हैं.

संघर्ष से सफलता के छह दशक, उज्जैन से भोपाल तक

प्रशांत कुमार जैन
समाचार संपादक, नवभारत

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव बुधवार को अपने जीवन के 61 बसंत पूर्ण कर एक नई ऊर्जा के साथ इस राज्य और जनता की सेवा और कल्याण के लिए तैयार नजर आ रहे हैं. पच्चीस मार्च 1965 को उज्जैन में जन्मे डॉ यादव ने प्रारंभिक और उच्च शिक्षा गृह नगर बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से पूर्ण करने के साथ उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कदम रखा.

उन्होंने महाविद्यालयीन शिक्षा के दौरान ही राजनीति में कदम रख दिया था. 1982 में उन्होंने माधव साइंस कॉलेज के छात्र संघ चुनाव में हिस्सा लेकर सह सचिव का दायित्व निभाया और फिर लगातार आगे बढ़ते गए. वे फिर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी भी बनकर सक्रिय रहे. 1993 से 95 के मध्य उन्होंने संघ के उज्जैन नगर के सह खंड कार्यवाह का दायित्व भी निभाया और आगे चलकर भाजपा युवा मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य भी बने. इसके बाद उन्होंने भाजपा के नगर जिला महामंत्री का दायित्व निभाया और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. वे 2013 के विधानसभा चुनाव में उज्जैन दक्षिण से भाजपा के टिकट पर पहली बार विधायक चुने गए और वर्तमान में भी इसी सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं.

डॉ यादव के नाम की जब दिसंबर 2023 में मुख्यमंत्री के रूप में पार्टी ने घोषणा की, तब राजनीतिक विश्लेषकों के सभी कयास धरे के धरे रह गए थे. डॉ यादव ने अपने दो वर्ष से अधिक के कार्यकाल के दौरान बात कम, काम ज्यादा के सिद्धांत पर चलकर साबित कर दिया है कि वे पार्टी के उस विश्वास पर खरे उतरे हैं, जो उन्हें मुख्यमंत्री बनाकर व्यक्त किया गया था. डॉ यादव के व्यक्तित्व की विशेषता है कि वे कठिन से कठिन चुनौतियों के बीच भी तनाव को हावी नहीं होने देते हैं. चाहे प्रशासनिक, राजनीतिक या अन्य चुनौतियां हों, वे उनसे निपटना जैसे बखूबी जानते हैं.

हाल ही में उन्होंने सीधी जिले का अचानक दौरा कर वहां से मिली शिकायतों के आधार पर कलेक्टर एस. सोमवंशी को तत्काल हटाकर मजबूत प्रशासनिक क्षमता का सबूत फिर से दिया. यही नहीं उन्होंने नोटकांड के उजागर होने और उसमें पुलिस की भूमिका संदिग्ध पाए जाने पर गुना पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी को भी तत्काल हटाकर भोपाल पुलिस मुख्यालय बुला लिया. इस तरह के सख्त तेवर उन्होंने पहले भी दिखाए, जब अफसर या प्रशासनिक मशीनरी ने गरीबों, आम जनता और किसानों के मामले में लापरवाही या असंवेदनशीलता दिखाई.

डॉ मोहन यादव ने सीएम पद संभालते ही गरीब, आदिवासी, किसान, युवा और महिलाओं के सम्पूर्ण विकास को केंद्रित कर योजनाओं पर ध्यान दिया. साथ ही रोज़गार, औद्योगिक विकास और इंफ्रास्ट्रक्चर के तेज गति से विकास पर भी ध्यान केंद्रित किया. उन्होंने राज्य में औद्योगिक विकास के लिए निवेश आमंत्रित करने के लिए भोपाल में जीआईएस का आयोजन कर अलग अलग शहरों में रीजनल कॉन्क्लेव भी आयोजित किए. जापान और अनेक यूरोपीय देशों की यात्राएं भी कीं. इन स्थानों से राज्य में 30 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले. इनमें से 10 लाख करोड़ रूपये से अधिक के प्रस्ताव धरातल पर आकार भी ले चुके हैं. इनके माध्यम से लाखों लोगों को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से रोजगार के साधन प्राप्त होंगे.

बड़े उद्योगों की स्थापना के चलते अनेक सहायक उद्योग भी स्थापित हो रहे हैं. डॉ यादव के गृह नगर उज्जैन जिले में ही निवेशकों ने खासी रुचि दिखाई और अब वहां पर बड़े उद्योग और संस्थान स्थापित करने के लिए औद्योगिक क्षेत्र कम पड़ने लगा है. इस वजह से आसपास के जिलों में भी औद्योगिक विस्तार किया जा रहा है. सिर्फ उज्जैन ही नहीं, भोपाल, इन्दौर, ग्वालियर, जबलपुर और अन्य क्षेत्रों में भी उद्योग और अनेक तरह के संस्थान खोलने के प्रस्तावों पर अमल किया जा रहा है. डॉ यादव अक्सर चर्चा में कहते हैं कि हमें अपनी सांस्कृतिक और पौराणिक विरासत का भी संरक्षण करना है. इस उद्देश्य से भी उनकी टीम निरंतर कार्य कर रही है. वर्ष 2028 में आयोजित होने वाले उज्जैन सिंहस्थ के लिए अभी से तैयारियां तेजी से चल रही हैं. वे कहते हैं कि कुछ लाख आबादी वाले शहर में सिंहस्थ के दौरान करोड़ों लोगों के आने के मद्देनजर व्यवस्थाएं करने जैसी चुनौती पर सुव्यवस्थित तरीके से कार्य किया जा रहा है. शिप्रा नदी के जल की पवित्रता बनाए रखने के भी दीर्घकालिक उपाय किए जा रहे हैं.

उज्जैन में महाकाल लोक निर्माण के बाद ओरछा में रामराजा लोक निर्माण जैसी परियोजनों पर भी उनकी विशेष रुचि है. धार्मिक और पौराणिक क्षेत्र में अन्य अनेक कार्य भी जारी हैं. डॉ यादव का कहना है कि राज्य की वित्तीय स्थिति बेहतर करने के लिए वे मितव्ययिता पर विशेष जोर दे रहे हैं.

अब आयकर नियमों में बदलाव

आयकर कानून में गत 20 मार्च को बदलाव घोषित किया गया. पुराने 1962 के आयकर अधिनियम को अब समाप्त कर दिया गया है. नया कानून इन्कम टैक्स रूल्स 2026 कहलाएगा, जो आगामी 1 अप्रैल 2026 से लागू हो जाएगा. इसमें पहले के समान पिछला वर्ष और एसेसमेंट वर्ष जैसे शब्द न होकर टैक्स ईयर 2026-27 कहा जाएगा. पहले मुंबई, दिल्ली, कोलकाता व चेन्नई को मेट्रो सिटी का दर्जा हासिल था, जहां वेतन का आधा हिस्सा मकान किराया भत्ता के रूप में कर मुक्त माना जाता था. अब मेट्रो सिटी की सूची में हैदराबाद, बेंगलुरु, पुणे और अहमदाबाद को भी शामिल कर लिया गया है. इन शहरों के कर्मचारी भी अब अपने वेतन का 40 प्रतिशत की बजाय 50 प्रतिशत हिस्सा एचआरए छूट के रूप में दावा कर सकेंगे. 1962 के कानून में बच्चों का शिक्षा भत्ता सिर्फ 100 रुपये प्रति माह या 1200 रुपये साल था. नए कानून में यह भत्ता बढ़ाकर प्रतिवर्ष 36,000 रुपये प्रति बच्चा कर दिया गया है. यह पहले की तरह 2 बच्चों तक सीमित है. पुराने कानून में बच्चे का छात्रावास खर्च भत्ता 300 रुपये था जो अब बढ़ाकर 9,000 रुपये प्रतिमाह हो गया है. इस तरह आयकर छूट के लिए यह भत्ता 2,16,000 रुपये प्रतिवर्ष माना जाएगा. 1.6 लीटर की कार (जिसमें ईवी शामिल है) के लिए भत्ता 1800 से बढ़ाकर 5,000 रुपये प्रतिमाह किया गया है. 1.6 लीटर से ऊपर की कार पर भत्ता 2,400 से बढ़ाकर 7,000 रुपये प्रतिमाह किया गया. ड्राइवर का अलाउंस भी 900 रुपये से बढ़ाकर 3,000 रु. प्रतिमाह किया गया. कंपनी द्वारा दिए गए आवास पर भी छूट पहले की तुलना में बढ़ाई गई है. दिव्यांग कर्मचारियों के प्रवास भत्ते में वृद्धि की गई है. नियोक्ता की स्कूल में निशुल्क शिक्षा पर भी राहत दी गई. अधिकृत भुगतान के लिए डिजिटल पेमेंट को मान्यता प्रदान की गई. आरबीआई का डिजिटल रुपी अब टैक्स कटौती के लिए मान्य होगा. अब सभी फार्म, सेक्शन रेफरेंस, पे-रोल सिस्टम व डिक्लेरेशन को 1 अप्रैल 2026 के पहले अपडेट करना होगा. पुराने फॉर्म वैध नहीं माने जाएंगे.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

इसे कोई माने या न माने खुश होने के लाख बहाने

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, खुशहाल बनने के लिए खुशी बहुत जरूरी है. बताइए वह किस तरह मिलती है. हम उसे खोजना चाहते हैं.'

हमने कहा, 'जब किसी के यहां संतान पैदा होती है तो वह इस खुशी में मिठाई बांटता है. बेटी की शादी अच्छे घर में योग्य वर से तय हो जाए तो खुशी का ठिकाना नहीं रहता. विद्यार्थी परीक्षा में अच्छे ग्रेड से पास होकर खुश हो जाता है. बेरोजगार नौकरी पाने से खुशी महसूस करता है. किसी को अपनी खोई हुई वस्तु मिल जाने से खुशी होती है. किसी को लॉटरी या सट्टे में पैसा मिलने से वह खुशी से फूला नहीं समाता. व्यापारी मुनाफे का सौदा होने पर और कर्मचारी इन्क्रीमेंट या बोनस मिलने पर खुश हो जाता है.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, खुशी व्यक्ति के आसपास ही रहती है. उसे खोज निकालना चाहिए. खुशी को लेकर कितने ही फिल्मी गीत हैं जैसे कि-कोई मेरे दिल में खुशी बनके आया, अंधेरा था घर रोशनी बनके आया! एक अन्य गीत है-झूम-झूम कर नाचो आज, गाओ खुशी के गीत !

खुश है जमाना आज पहली तारीख है ! इत्ती सी हंसी, इत्ती सी खुशी, इत्ता सा टुकड़ा चांद का!'

हमने कहा, 'खुशी की चाहत किसे नहीं होती. देवता भी अपनी खुशी के लिए अप्सराओं का नृत्य देखते हैं. मनोरंजन के साधनों में खुशी खोजने के लिए लोग सिनेमा जाते हैं, कंसर्ट और ऑपेरा जाते हैं तथा हास्य-व्यंग्य के कविसम्मेलन में खुशी अनुभव करते हैं. कवि तब खुश होता है जब श्रोता उसकी कविता या शायरी पर दाद देते हैं. ट्रंप को टैरिफ लागू करने और ईरान पर हमला करने में खुशी महसूस हो रही है. भूमाफिया किसी की जमीन हड़प कर खुश होता है. यजमान से दक्षिणा में मोटी रकम लेकर पंडा खुश हो जाता है. कर्जमाफी किसान को खुश कर देती है. बादशाह अकबर को बीरबल के जोक या तानसेन का संगीत सुनकर खुशी मिलती थी. चुनावी खैरात मिलने से मतदाता प्रसन्न हो जाता है. नेता को जब सत्ता मिलती है तो उसे ऐसा लगता है कि उसके हाथ में 3 इक्के आ गए. भूखे को खाना खाकर और प्यासे को पानी पीकर खुशी होती है. आध्यात्मिक रुचि के व्यक्ति को भजन, सत्संग और कथा में आनंद आता है. जब प्रेमिका की शादी किसी और से हो जाती है तो प्रेमी गाता है- मुबारक हो तुमको समां ये सुहाना, मैं खुश हूं मेरे आंसुओं पे ना जाना, मैं तो दीवाना-दीवाना-दीवाना !'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12208 - डॉ. सागर खादीवाला

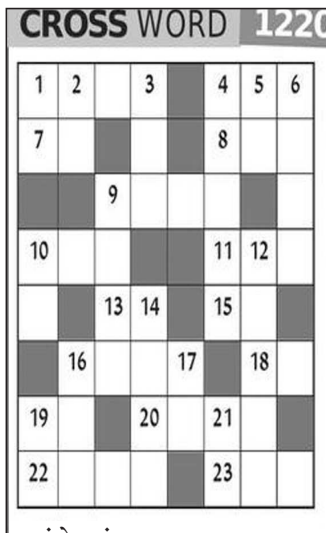

शिथिलता, थकान 23. कौटिल्य

ऊपर से नीचे

1. गौरैया के आकार का एक पक्षी 2. प्रत्येक, हरण करने वाला 3. डाह करने वाला 4. पत्थर गढ़ने या काटने वाला कारीगर (उर्दू) 5. एक माप जो 36 इंच का होता है 6. लोकप्रिय, पसंदीदा (उर्दू) 9. प्रलय (उर्दू) 10. मरण, मौत 12. तंत्र-मंत्र द्वारा किसी को वश में करना 14. तिरछा, टेढ़ा 16. वायुयान चालक, जो उड़ता हो 17. नारी, नाड़, नाल, गर्दन 19. कत्था 21. छोटी खाट या

बाएं से दाएं

1. बहन का पति 4. मेल, मिलाप, वह स्थान जहां दो नदियां मिलें 7. मित्र, दोस्त, प्रेमी (उर्दू) 8. तिल पपड़ी, वह खाद्य पदार्थ जो शराब पीने के समय खाया जाता है 9. दूषित, मलिन 10. शिकार, आखेट (सं.) 11. राजा, राजस्थानी राजाओं की एक उपाधि, प्रधान, सरदार 13. बुद्धि, समझ 15. चंद्रमा (सं.) 16. ऊपर से नीचे आना, शरीर के जोड़ या नस का अपने स्थान से हटना 18. कार्य, काम 19. ठोस, दृढ़ कठिन, पैर या हाथ में पहनने का एक गहना 20. राजपूतों की जाति की एक प्रधान शाखा 22.

Solution 12207

का	र	पो	र	ल	■	बा	नि
म	ति	■	■	ल	य	प	थ
धे	■	■	बे	ना	म	■	र
नु	मा	इ	श	■	ना	ख	ना
■	चा	ला	की	■	■	रा	■
कु	■	■	म	ह	बू	ब	■
श	रा	फ	त	■	झ	■	शो
ल	ह	र	■	अ	ना	द	र

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में भाईयों के सहयोग से अचल संपत्ति में वृद्धि होगी, दाम्पत्य जीवन सुखमय मधरता पूर्ण रहेगा, भाईयों का कार्यक्षेत्र में सहयोग रहेगा, वर्ष के मध्य में नवीन योजनाओं का क्रियान्वयन होगा, वर्ष के अन्त में अनिश्चय की स्थिति का सामना करना पड़ेगा, आजीविका के क्षेत्र में अचानक चिन्ता रहेगी, शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को दाम्पत्य जीवन सुखमय मधुरतापूर्ण रहेगा, वातावरण सुखद रहेगा,कर्क राशि के व्यक्तियों का शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को कर्मचारियों के सहयोग से लाभ होगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को जीवन में मधुरता आयेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों का आजीविका में लाभ होगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को शत्रु पक्ष के प्रति विशेष सजगता रहेगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक चतुर, बुद्धिमान, व्यवहारकुशल, आशावान, अनुशासनप्रिय, स्पष्टवादी होगा. निर्णय करने की क्षमता इनमें अधिक होती है. अपने कार्य के प्रति सदैव सजग रहेगा. नेतृत्व प्रधान होगा. माता पिता के प्रति श्रद्धा रखने वाला होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

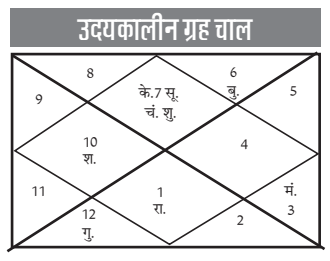

पंचांग

रा.मि. 04 संवत् 2083 चैत्र शुक्ल सप्तमीं बुधवासरे शाम 4/28, मृगशिरा नक्षत्रे रात 8/8, आयुष्मान योगे प्रात: 8/42 तदुपरि सौभाग्य योगे रातअंत 5/38, वणिज करणे सू.उ. 5/57, सू.अ. 6/3, चन्द्रचार वृषभ दिन 8/57 से मिथुन, शु.रा. 3, 5, 6, 9, 10, 1 अ.रा. 4, 7, 8, 11, 12, 2 शुभांक- 5, 7, 1.

व्यापार भविष्य

चैत्र शुक्ल सप्तमीं को मृगशिरा नक्षत्र के प्रभाव से अलसी, सरसों, गेहूँ, जौ, चना, चावल, मूँग, मोठ, के भाव में तेजी का रूख रहेगा. नारियल, दाख, सुपारी, मोला, के भाव में तेजी का रूख रहेगा. रूई, कपास, बिनौला, वायदा, विचार आज श्रेष्ठ रहेगा. भाग्यांक 5756 है.

मेष- पारिवारिक कार्य फलीभूत होंगे. मनोरंजन पर व्यय होगा. भूमि भवन मकानादि की समस्या हल होगी. निर्माण के कार्यो पर विचार होगा.

वृषभ- दाम्पत्य जीवन आनन्दमय रहेगा. आपसी व्यक्ति सहयोग करेंगे. अतिथि आगमन का योग है.कामकाज में उन्नति के योग है. यश मिलेगा.

मिथुन- आत्म विश्वास में वृद्धि होगी. व्यसन से बचने का प्रयास करें. संतान के कार्यो की प्रशंसा होगी. आय का नया मार्ग सामने आयेगा.

कर्क- किसी बड़े सदस्य का सहयोग रहेगा. पत्राचार करते समय सावधानी रखें. निजी पुरूषार्थ का लाभ प्राप्त होगा. मनोरंजक यात्रा होगी.

सिंह- आर्थिक कार्य बनने का योग है. पारिवारिक कार्य में गति आयेगी. स्वास्थ्य की चिन्ता रह सकती है. मित्रता उपयोगी रहेगी.

कन्या- धार्मिक योजनाओं में वृद्धि होगी. पारिवारिक चिन्ता रहेगी. जीवनसाथी का सहयोग बना रहेगा. आशा से अधिक सफलता मिलेगी.

तुला- व्यर्थ के विवाद से बचें. नवीन संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी. लाभ होगा. निजी पुरूषार्थ बना रहेगा. भूमि भवन के कार्यो पर विचार होगा.

वृश्चिक- भय एवं चिन्ता दूर होगी. स्वास्थ्य में अनुकूलता रहेगी. व्यापार व्यवसाय में अच्छी सफलता प्राप्त होगी. आशा के अनुकूल लाभ मिलेगा.

धनु- अनचाहे स्थान की यात्रा होगी. आर्थिक मामलों में लाभ होगा. छोटी मोटी बातों पर चिन्ता रहेगी. शुभ संदेश प्राप्त होने का योग है.

मकर- उपहार तथा सम्मान मिलेगा. व्यवहारिक क्षमता से बिगड़े कामकाज बनेंगे. वाद विवाद से बचने का प्रयास करें. मित्र मिलन होगा.

कुम्भ- किसी महत्वपूर्ण कार्य में व्यस्त रहेंगे. पारिवारिक चिन्ता रहेगी. अधिकारी वर्ग से विवाद पराक्रम बढ़ेगा. जोखिम से सतर्क रहें.

मीन- धार्मिक कार्यो में लगन व निष्ठा बनी रहेगी. यात्रा देशाटन में सामान का पूरा ध्यान रखें. छोटी मोटी बातों पर चिन्ता रहेगी. व्यर्थ के कार्यो में धन का अपव्यय होगा.

SUDOKU 7340

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7339

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1